लेखक परिचय : मालिक मोहम्मद जायसी

नाम : मालिक मोहम्मद जायसी

जन्म : लगभग 1495 ई.

जन्म-स्थान : जायस (अमेठी), उत्तर प्रदेश

निधन : लगभग 1542 ई.

मालिक मोहम्मद जायसी हिंदी साहित्य के **सूफी प्रेमाख्यान परंपरा** के महान कवि थे। वे **भक्ति काल की निर्गुण काव्यधारा** से जुड़े माने जाते हैं। उनकी काव्य-रचनाओं में **ईश्वर-प्रेम, मानव-प्रेम, त्याग, आस्था और आध्यात्मिक अनुभूति** का गहरा प्रभाव दिखाई देता है। उन्होंने प्रेम को ईश्वर तक पहुँचने का माध्यम माना।

🎓 जीवन एवं व्यक्तित्व

जायसी एक सूफी संत और फकीर प्रवृत्ति के कवि थे। उनका जीवन सादगी और साधना से भरा हुआ था। वे प्रेम, त्याग और आत्मिक शुद्धता को जीवन का सर्वोच्च मूल्य मानते थे। उनके काव्य में लौकिक प्रेम के माध्यम से **अलौकिक प्रेम** की अभिव्यक्ति मिलती है।

🖋️ भाषा-शैली

मालिक मोहम्मद जायसी की भाषा **अवधी** है। उनकी शैली **प्रबंधात्मक, भावपूर्ण और प्रतीकात्मक** मानी जाती है। वे लोकभाषा के माध्यम से गूढ़ आध्यात्मिक विचारों को सरल रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनकी रचनाओं में **रूपक, प्रतीक और सूफी दर्शन** का सुंदर समन्वय मिलता है।

📚 प्रमुख रचनाएँ

- **पद्मावत** (महाकाव्य - सर्वाधिक प्रसिद्ध)
- अखरावट
- आखिरी कलाम
- कन्हावत

SOLANKI SIR

🏆 साहित्यिक स्थान

मालिक मोहम्मद जायसी को हिंदी साहित्य में **सूफी प्रेमाख्यान काव्य का श्रेष्ठ कवि** माना जाता है। *पद्मावत* के माध्यम से उन्होंने प्रेम, त्याग और आत्मिक शुद्धता को अमर रूप प्रदान किया। उनका काव्य भारतीय सांस्कृतिक समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।

✨ निष्कर्ष

मालिक मोहम्मद जायसी का काव्य प्रेम और अध्यात्म का अनूठा संगम है। उनकी रचनाएँ मानव को सांसारिक बंधनों से ऊपर उठाकर ईश्वर-प्रेम की ओर ले जाती हैं। हिंदी साहित्य में उनका स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण है।

SOLANKI SIR